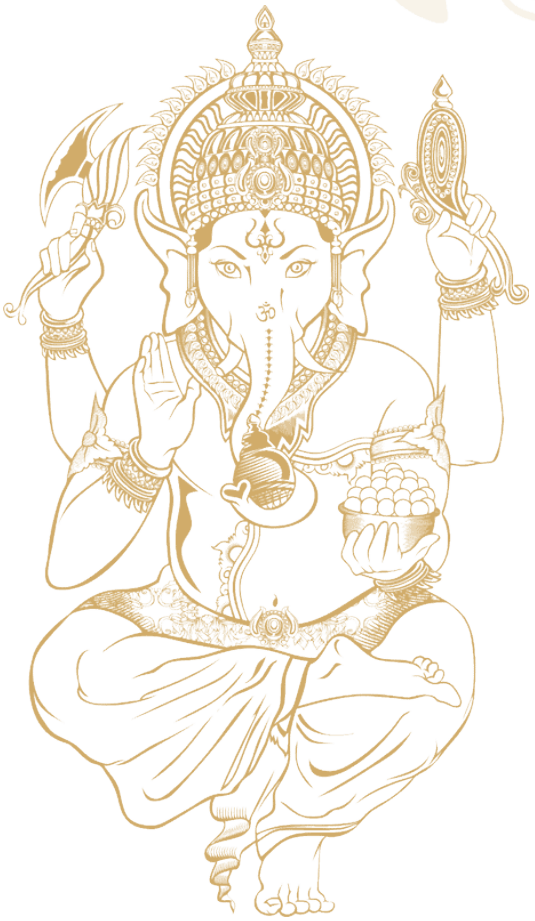

Mr.

06 Mar 2026

06:48 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121497302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/03/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:48:00 घंटे**
इष्ट	30:16:31 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:26:52 घंटे
वेलान्तर	-00:11:17 घंटे
साम्पातिक काल	05:24:01 घंटे
सूर्योदय	06:41:23 घंटे
सूर्यास्त	18:23:53 घंटे
दिनमान	11:42:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	21:44:54 कुम्भ
लग्न के अंश	27:51:17 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वृद्धि
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पो-पौरुष
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:51:17	317:37:46	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			कुंभ	21:44:54	01:00:03	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	28:10:52	12:27:24	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	08:53:44	00:47:16	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	23:33:20	00:58:53	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:53:50	00:00:54	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	05:54:26	01:14:39	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि			मीन	08:10:04	00:07:17	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:43:57	00:00:50	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:43:57	00:00:50	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:38:24	00:01:34	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:01:17	00:02:13	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:27:16	00:01:32	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	27:30:49	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

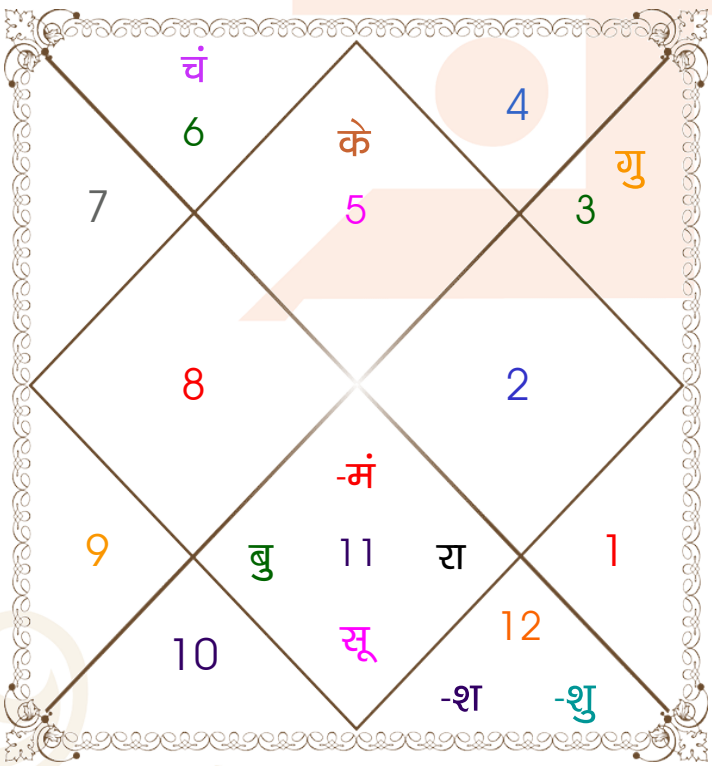

चन्द्र कुंडली

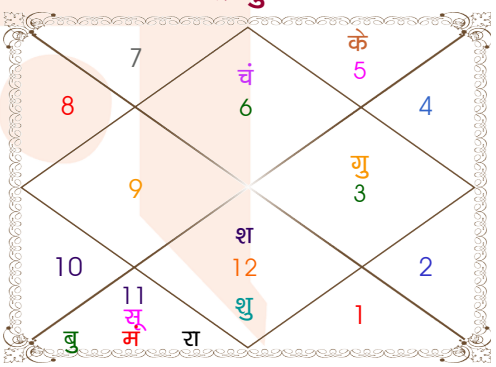

नवमांश कुंडली

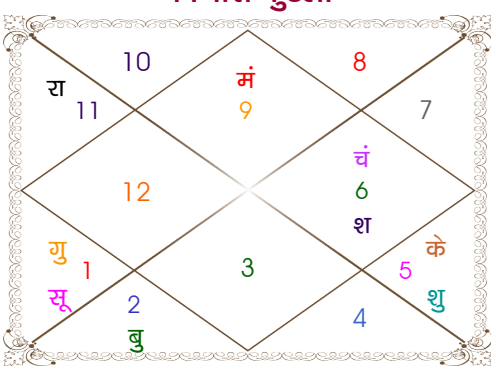

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 5 मास 13 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/03/2026		19/08/2030		19/08/2048		19/08/2064		20/08/2083	
19/08/2030		19/08/2048		19/08/2064		20/08/2083		20/08/2100	
	00/00/0000	राहु	02/05/2033	गुरु	07/10/2050	शनि	23/08/2067	बुध	15/01/2086
	00/00/0000	गुरु	25/09/2035	शनि	19/04/2053	बुध	02/05/2070	केतु	13/01/2087
	06/03/2026	शनि	01/08/2038	बुध	26/07/2055	केतु	11/06/2071	शुक्र	12/11/2089
शनि	18/02/2027	बुध	18/02/2041	केतु	01/07/2056	शुक्र	10/08/2074	सूर्य	19/09/2090
बुध	15/02/2028	केतु	08/03/2042	शुक्र	02/03/2059	सूर्य	23/07/2075	चंद्र	18/02/2092
केतु	13/07/2028	शुक्र	08/03/2045	सूर्य	19/12/2059	चंद्र	21/02/2077	मंगल	15/02/2093
शुक्र	13/09/2029	सूर्य	31/01/2046	चंद्र	19/04/2061	मंगल	01/04/2078	राहु	04/09/2095
सूर्य	18/01/2030	चंद्र	01/08/2047	मंगल	26/03/2062	राहु	05/02/2081	गुरु	10/12/2097
चंद्र	19/08/2030	मंगल	19/08/2048	राहु	19/08/2064	गुरु	20/08/2083	शनि	20/08/2100

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
20/08/2100		21/08/2107		21/08/2127		20/08/2133		21/08/2143	
21/08/2107		21/08/2127		20/08/2133		21/08/2143		00/00/0000	
केतु	16/01/2101	शुक्र	20/12/2110	सूर्य	08/12/2127	चंद्र	21/06/2134	मंगल	17/01/2144
शुक्र	18/03/2102	सूर्य	20/12/2111	चंद्र	08/06/2128	मंगल	20/01/2135	राहु	03/02/2145
सूर्य	24/07/2102	चंद्र	20/08/2113	मंगल	14/10/2128	राहु	20/07/2136	गुरु	10/01/2146
चंद्र	22/02/2103	मंगल	20/10/2114	राहु	07/09/2129	गुरु	19/11/2137	शनि	07/03/2146
मंगल	21/07/2103	राहु	20/10/2117	गुरु	27/06/2130	शनि	21/06/2139		00/00/0000
राहु	08/08/2104	गुरु	20/06/2120	शनि	09/06/2131	बुध	19/11/2140		00/00/0000
गुरु	15/07/2105	शनि	21/08/2123	बुध	14/04/2132	केतु	20/06/2141		00/00/0000
शनि	23/08/2106	बुध	21/06/2126	केतु	20/08/2132	शुक्र	19/02/2143		00/00/0000
बुध	21/08/2107	केतु	21/08/2127	शुक्र	20/08/2133	सूर्य	21/08/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 5 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।